आरती श्री सरस्वती जी

जय सरस्वती माता , मैया जय सरस्वती माता |
सदगुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥
जय सरस्वती माता ॥

चन्द्रवदनि पद्मासिनि, द्युति मंगलकारी |
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ॥
जय सरस्वती माता ॥

बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला |
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला ॥
जय सरस्वती माता ॥

देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया |
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥
जय सरस्वती माता ॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनि, ज्ञान प्रकाश भरो |
मोह अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो ॥
जय सरस्वती माता ॥

धूप दीप फल मेवा, माँ स्वीकार करो |
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ॥
जय सरस्वती माता ॥

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे |
हितकारी सुखकारी ज्ञान भक्ति पावे ॥
जय सरस्वती माता ॥

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता |
सदगुण वैभव शालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥
जय सरस्वती माता ॥